



# झारखण्ड गजट

## असाधारण अंक

### झारखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

---

संख्या 166 राँची, बुधवार, 2 पौष, 1937 (श०)  
23 दिसम्बर, 2015 (ई०)

---

कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग ।

-----

संकल्प

18 दिसम्बर, 2015

विषय : परगहा (परिगाह)/पलीआर/पलीयार को झारखण्ड राज्य के पिछड़े वर्गों की सूची (अनुसूची-I) में क्रमांक-117 पर सम्मिलित परघा/परिघा/पैरघा जाति के कोष्ठक में शामिल करने के संबंध में ।

संख्या.-14/जा0नि0-19-04/2007 का0 10759--झारखण्ड पदों एवं सेवाओं की रिक्तियों में आरक्षण (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों एवं पिछड़े वर्गों के लिए) अधिनियम 2001 की धारा-2 में अत्यन्त पिछड़े वर्गों एवं पिछड़े वर्गों को परिभाषित किया गया है तथा इसमें सम्मिलित वर्ग को इस अधिनियम की अनुसूची-1 एवं अनुसूची-2 में क्रमशः विनिर्दिष्ट किया गया है।

2. उक्त अधिनियम की धारा-14 (अ) में अनुसूची-1 एवं अनुसूची-2 में उल्लेखित किसी जाति/वर्ग को जोड़ने या हटाने की शक्ति राज्य सरकार को प्रदत्त है।

3. पिछड़े वर्गों के लिए राज्य आयोग द्वारा राज्य सरकार को दी गई सलाह/परामर्श कि परगहा (परिगाह)/पलीआर/पलीयार जो परघा/परिघा/पैरघा की उपजाति है, को झारखण्ड राज्य के पिछड़े वर्गों की सूची (अनुसूची-1) के क्रमांक-117 पर अंकित परघा/परिघा/पैरघा जाति के साथ कोष्ठक में सम्मिलित करने की परामर्श/सलाह देती है" के आलोक में सम्यक विचारोपरान्त राज्य सरकार द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि झारखण्ड पिछड़े वर्गों की सूची (अनुसूची-2) में निम्नरूपेण परिवर्द्धित की जाय।

परिवर्द्धित स्वरूप निम्न प्रकार है:-

क्रमांक-117:- परघा/परिघा/पैरघा (परगहा (परिगाह)/पलीआर/पलीयार)।

आदेश: आदेश दिया जाता है कि राज्य सरकार द्वारा लिये गये निर्णय के आलोक में झारखण्ड पदों एवं सेवाओं की रिक्तियों में आरक्षण (अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं पिछड़े वर्गों के लिए) अधिनियम, 2001 की अनुसूची-1 एवं अनुसूची-2 उपरोक्त अंश तक संशोधित माना जायेगा ।

झारखण्ड राज्यपाल के आदेश से,  
रतन कुमार,  
सरकार के सचिव ।

-----